3581 3192 5000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

५000रु. Rs 5000

सत्यमेव जयते

भारत

पाँच हजार रूपये FIVE THOUSAND RUPEES

- 8 FEB 2002

(झारखण्ड)

46 ⊙ 1000

23

14/3/02

A: 1080

1128-44

Rs. 54000

यह बिक्रय- पत्र आज दिनांक 14 माह मार्च सन 2002 ई0 को इस प्रकार सम्पन्न होता है :-

लेख्यकारी :- श्री उदित राम पिता भैरव महतो जाति तेली, पेशा- खेतीबारी, निवासी ग्राम पुन्दाग, थाना जगरनाथपुर, जिला राँची, राज्य झारखण्ड । {भारतीय नागरिक} " बिक्रेता" ।

लेख्यधारी :- श्रीमती श्वेता सिन्हा पति श्री अधिस कुमार जाति - कायस्थ, पेशा गृहणी, निवासी ग्राम+ पो0 गोरोल, जिला वैशाली, । {भारतीय नागरिक} ... " क्रेता" ।

लेख्य प्रकार :- यह बिक्रय पत्र आज दिनांक से सदा के लिये । जिसका वार्षिक लगान 1/- {एक} रूपया अलावे शेष इत्यादि ।

लेख्य मूल्य :- मो0- 54,000/- {चौवन हजार} रूपया मात्र ।

4540
2750
1080
8320

इस पत्र सं० 728, 727, 729 दि० 14/3/02

बही सं० ... 662

दि० 15/3/02

—2

No. 5057 Date 8/2/02

Non Judicial Stamp worth Rs. 83201

Sold to Shri Shweta Sinha w/o Hadwesh Kumar

along with the stamps of Rs. 5000/ 1000/ 100/ 10/ 20

Ranchi Treasury, Ranchi

अदित राय

[illegible]

अदित राय
18-3-2002

Anil Prasad Sahu
14-03-02

14/3/02

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

-: 2 :-

नाम जमींदार :- झारखण्ड सरकार अंचल पदाधिकारी रातु अंचल, जिला रांँची ।

लेख्य सम्पति का विवरण :- मवाजी 4½ कट्ठा भूमि जो हकियत खरीदगी रैयती भूमि मौजा पुन्दाग, थाना जगरनाथपुर, थाना नं० - 228, जो जिला रांँची में स्थित है । जिस पर लेख्यकारी शांति पूर्वक दखल कब्जा कर चले आ रहे हैं । जो रांँची अवर निबंधन पदाधिकारी रांँची एवं सह जिला निबंधन पदाधिकारी रांँची से संबंधित है । जो नवीस्ते जतरू लोहार पिता महा लोहार से दिनांक- 08·06·1968 ई० को रजिस्ट्री पट्टा के द्वारा प्राप्त कर जिसका बुक नं० 1, भोलुम नं० 54, पेज नं० 152 से 154 तक है । जिसका सिरियल नम्बर 6626 दस्तावेज नम्बर 6317 है । जो रांँची अवर निबंधन के कार्यालय में दर्ज है । जिसका अन्दर खाता नम्बर 253, प्लॉट नं० 181, एवं खाता नं० 252, प्लॉट नं० 180, दोनों प्लॉटों का कुल रकबा - 83 डी० मधे रकबा- 4½ कट्ठा जमीन अपना हक और हिस्से की भूमि को लेख्यधारी के हाथों बिक्री करते हैं ।

जिसकी चौहद्दी इस प्रकार है :-

उत्तर :- सर्वे प्लॉट नं० 178 एवं सब प्लॉट नं० 180/37

दक्षिण :- 20 (बीस) फीट का प्रस्तावित रास्ता ।

पुरब :- सब प्लॉट नं० 181/33

पश्चिम :- 20 (बीस) फीट का प्रस्तावित रास्ता । --3

Scanned with CamScanner

1000Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१000रू. Rs 1000

सत्यमेव जयते

भारत

एक हजार रूपये ONE THOUSAND RUPEES

- 8 FEB 2002

-: 3 :-

जमीन का नापी इस प्रकार है :-

उत्तर तरफ :- 65 फीट ।

दक्षिण तरफ :- 65 फीट ।

पुरब तरफ :- 50 फीट ।

पश्चिम तरफ :- 50 फीट ।

विदित हो कि इस दस्तावेज के साथ लाल रंग से रंग कर नक्सा को दर्शाया गया है जिसका सब प्लॉट नं० 181/ 38 के रूप में चिन्हित किया गया है जो इस दस्तावेज का अभिन्न अंग है ।

विदित हो कि यह भूमि राँची नगर निगम क्षेत्र से सहायक अभियन्ता के पत्रांक- 662 दिनांक- 15·02·2002 ई0 के अनुसार राँची नगर निगम क्षेत्र से बाहर पड़ता है ।

विदित हो कि लेख्यकारी के नाम से रातु अंचल में दाखिल खारीज भी हो चुका है जिसका सरकारी लगान भी कट रहा है ।

-: संदर्भ :-

विदित हो कि बिक्रय वाली भूमि पर बिक्रेता अपने हक वो हिस्से की मुताबिक काबिज वो दखलकार हैं ।

चूँकि बिक्रेता को इस समय मकान बनाने एवं आवश्यक कार्य हेतु रूपये की आवश्यकता आ पड़ी है । इसलिए उपर वर्णित भूमि स्तम्भ-

--5

Scanned with CamScanner

INDIA NON JUDICIAL

१000रु. Rs 1000

सत्यमेव जयते
भारत

एक हजार रुपये ONE THOUSAND RUPEES

- 8 FEB 2002

6 में जो अंकित किया गया है को बिक्री करने हेतु इच्छा व्यक्त क्रेता के साथ किये जिस पर दोनों पक्ष ‖ क्रेता एवं बिक्रेता ‖ के बीच कुल रकबा 4½ कट्ठा जमीन की कीमत रुपये मात्र निश्चित करके बिक्रय करने की बात तय हुई और उक्त प्रतिफल में क्रेता क्रय करने की अपनी मंजुरी बिक्रेता को दिये ।

अत: हर प्रकार के हकियत नुक्स लिटिगेशन एवं ऋणभार से मुक्त अथवा सब प्रकार से स्वच्छ एवं निर्मल भूमि को बिक्रेता कुल राशि 54,000/- चौवन हजार रुपये मात्र में उक्त क्रेता के हाथ बिक्री कर हस्तान्तरण कर दिये तथा बिक्री पट्टा राँची निबंधन कार्यालय में सम्पन्न करा कर हमेशा के लिये स्वामित्व प्रदान कर दखलकार कर दिये । अब किसी प्रकार का हक, दावा, सरोकार या स्वामित्व बिक्रेता एवं उनके उत्तराधिकारीगण का नहीं रहा और न हीं भविष्य में भी कभी होगा एवं नुक्स निकले तो आज तारीख से पहले जो नुक्स निकले तो लेख्यकारी एवं उनके वारीसानों देंगे । अर्थात हर प्रकार का हक, दावा, स्वामित्व, सरोकार एवं प्रभुत्व बिक्रेता से विलग होकर क्रेता एवं उनके उत्तराधिकारी को प्राप्त हुआ और बराबर रहेगा । इसलिए अब क्रेता को चाहिये कि तैय भूमि पर बहैसियत मालिक के काबिज वो दखलकार होकर वो रहकर अपने मन पसंद इस्तेमाल में लावें उस पर बाउण्ड्रीवाल दिलावें, कुआँ खोदे, बाग-बगीचा लगावें, मकान बनावें वो भी समय जरूरत पर किसी के साथ बैय बिक्री, बंधक दान करें । इसमें बिक्रेता एवं उनके वारीसानों को किसी तरह -

--5

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

8 FEB 20..

की कोई आपत्ति विरोध अथवा हस्तक्षेप नहीं होगा और न हीं भविष्य में कभी करेंगें यदि करेंगें तो नाजायज वो निर्मूल माना जायेगा ।

विदित हो कि क्रेता एवं बिक्रेता दोनों आपस में परिचित हैं वो क्रेता जमीन से संबंधित कागजात का स्वयं जांच पड़ताल किये एवं जमीन का नापी करा कर सभी प्रकार से सन्तुष्ट होकर जमीन खरीद रहे हैं एवं उनके दिये विवरण के अनुसार हीं दस्तावेज तैयार किया गया । साथ हीं बिक्रेता यह भी विश्वास दिलाते हैं कि इस भूमि को वे किसी अन्य के हाथों बिक्री या एकरार नहीं किये ।

क्रेता को यह भी चाहिए कि बैय जमीन पर सब प्रकार से दखलकार रहते हुये संबंधित अंचल रातु में अपने नाम से दाखिल खारीज करा कर रसीद लिया करें । इसमें बिक्रेता या उनके उत्तराधिकारीगण को किसी प्रकार का अनुनय विनय अथवा आपत्ति नहीं है और न हीं विरोध है न होगा ।

अत: यह बिक्रय पत्र बिक्रेता साक्षी स्वरूप उपर निर्दिष्ट तिथि और वर्ष को अपने हस्ताक्षर से प्रमाणित करते हैं तथा लेख्यधारी को हमेशा के लिये सुपूर्द कर दिये ताकि समय पर काम आवे ।

--5

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

8 FEB 2002

-: 6 :-

लेख्यकारी एवं लेख्यधारी दोनों को यह रजिस्ट्री पट्टा पढ़ कर वो पढ़वा कर सुन वो समझा दिया तथा बिक्रेता सन्तुष्ट होकर एवं प्रश्नगत रूपया पाकर गवाहों के समक्ष अपना अपना हस्ताक्षर कर दिये ताकि सम्य पर काम आवे ।

यह प्रमाणित किया जाता है कि उपर्युक्त विवरणी की जमीन खतियान के अनुसार सरकारी जमीन नहीं है ना हीं सरकार के द्वारा अधिग्रहण सैनिक या असैनिक कार्यों के लिये नहीं किया गया है ना हीं भूदान की जमीन है । यह वन सीमा से बाहर है तथा बी0 सी0 सी0 एल0 या ई0 सी0 एल0 की भी जमीन -

--7

100 Rs.

INDIA NON JUDICIAL

१०० रु. Rs 100

सत्यमेव जयते

भारत

एक सौ रुपये ONE HUNDRED RUPEES

नहीं है । यह भी प्रमाणित किया जाता है कि यह भूमि आदिवासी खाते की नहीं है और ना हीं आदिवासी से संबंधित है, जमीन सिलींग से मुक्त है, जमीन मठ, मंदिर, गिरजा या मस्जिद की नहीं है ।

Scanned with CamScanner

20 Rs.

बीस रुपये

सत्यमेव जयते
भारत
INDIA

२०रू. TWENTY RUPEES 20Rs

8 FEB 2002

-: 8 :-

नोट :- प्रमाणित किया जाता है कि मूल दस्तावेज एवं द्वितीय प्रति एक दूसरे को हू- बहू एवं सच्ची प्रतिलिपि है ।

आज दिनांक माह मार्च सन 2002 ई0 मुकाम, राँची ।

गवाह का हस्ताक्षर

1.

बिक्रेता का हस्ताक्षर

2. Amul Prasad Singh

ड्राफ्टकर्ता

(जीवन खन्ना) अधिवक्ता, राँची ।

टंकक:

(शंकर कुमार)

Scanned with CamScanner

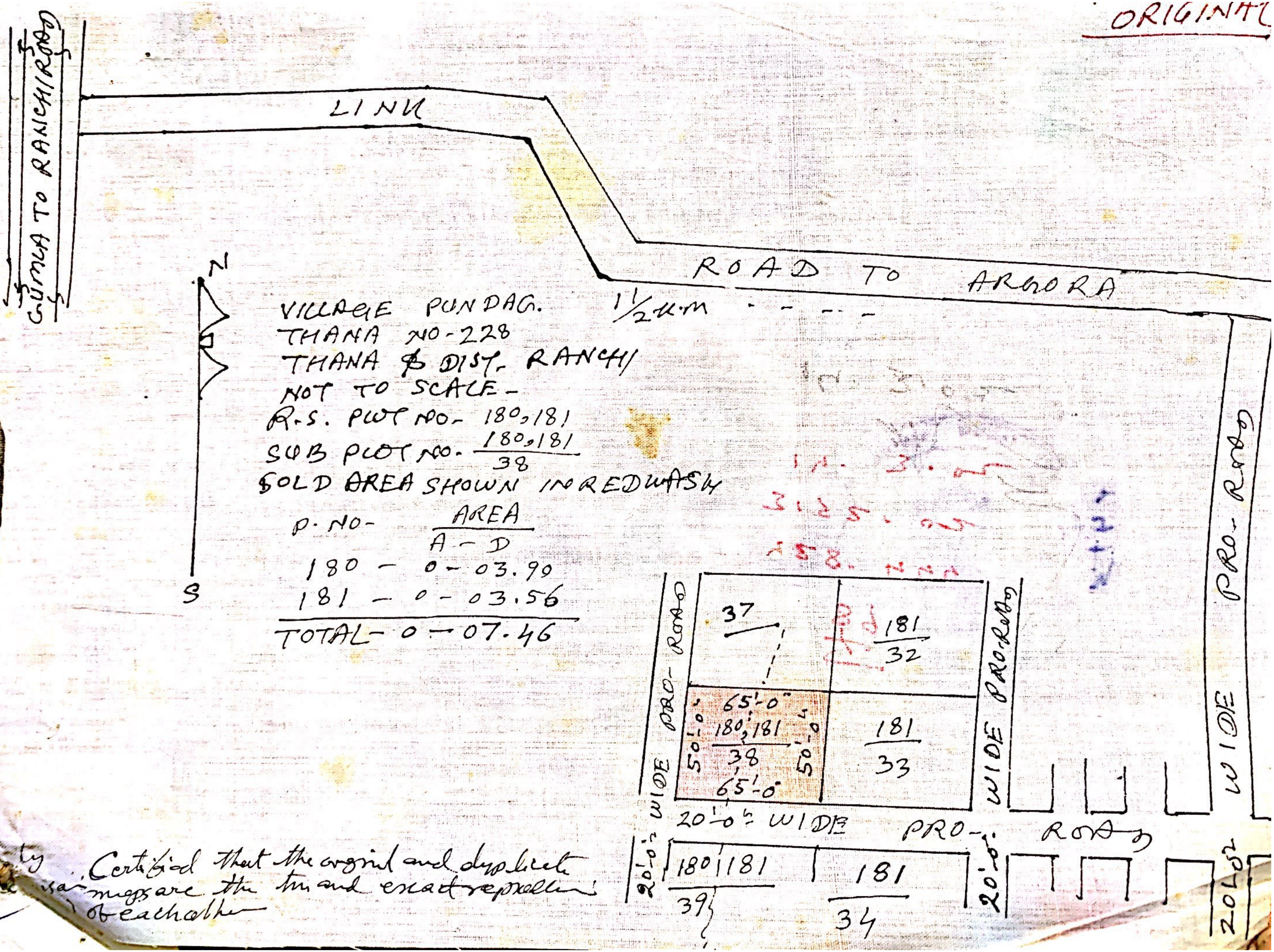

Certified that the original and duplicate maps are the true and exact replica of each other

Scanned with CamScanner